चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	16.05.2020	03	03-04

एचएयू ने कोविड-19 के संक्रमण से बचाव हेतु दिये सामाजिक सुझाव

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस पर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.के.पी. सिंह ने सबसे शान्ति, सहयोग, धैर्य व साहस बरकरार रख कर जीवन के पथ पर निरंतर अग्रसर होने की प्रेरणा भी दी। उन्होंने बताया कि सभी वैज्ञानिकों का मुख्य कर्तव्य कृषक व कृषि की दशा व दिशा सुदृढ़ करने के लिए निरंतर प्रयत्न करते रहना है। कोविड-19 के संक्रमण की इस कठिन घड़ी में उन्होनें हर किसान, मजदूर व जरूरतमंद का सहयोग करने का आह्वान किया है।

आजकल की लॉकडाउन की परिस्थितियों में जागरूक उपभोक्ता बन कर कैसे खरीदारी करनी चाहिए ताकि इस करोना वायरस से बचाव हो सके। अत्यावश्यक होने पर ही बाजार जाएं। हमेशा अपने घर से बाहर जाने पर एक ट्रिपल लेयर कपड़े का मास्क/सर्जिकल मास्क पहनें या फेस कवर का इस्तेमाल करें। बाजार में किसी भी व्यक्ति या दुकानदार से न्यूनतम 6 फीट की दूरी बनाएं। अपने घर के बाहर किसी भी चीज़ को अनावश्यक रूप से न छुएं। अपने साथ हैंड सैनिटाइज़र (70 प्रतिशत अल्कोहल) वाला एक छोटा सा पकै रखें और अपने हाथों को हमेशा साफ़ रखें। घर पर ले जाने के लिए बाजार से लाई जाने वाली सामग्री व अपने शरीर के मध्य निश्चित दूरी बनाकर रखें। बाजार मे प्लास्टिक की टोकरी को सेनिटाइज करके ले जाना बेहतर होता है और सामग्री को टोकरी में डालकर अपने घर ले आएं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार–पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नित्य शक्ति टाईम्स	16.05.2020	03	02-04

संकट की घड़ी में जरूरतमदों की मदद करें : केपी सिंह

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

हिसार। अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस पर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने सभी से शान्ति, सहयोग, धैर्य व साहस बरकरार रख कर जीवन के पथ पर निरंतर अग्रसर होने की कामना की। उन्होने कहा कि सभी वैज्ञानिकों का मुख्य कर्तव्य कृषक व कृषि की दशा व दिशा सुदृढ़ करने के लिए निरंतर प्रयत्न करते रहना है। कोविड-19 के संक्रमण की इस कठिन घड़ी में किसान, मजदूर व जरूरतमंद का सहयोग करने का आह्वान किया है।

विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग ने लॉकडाउन की परिस्थितियों में जागरूक उपभोक्ता बन कर कैसे खरीदारी करनी चाहिए के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अत्यावश्यक होने पर ही बाजार जाएं। हमेशा अपने घर से बाहर जाने पर एक ट्रिपल लेयर कपड़े का मास्क, सर्जिकल मास्क पहनें या फेस कवर का इस्तेमाल करें। घर में प्रवेश करते समय दरवाजा खुद न खोले, अपितु खोलने के लिए घर के सदस्यों को कहें। वॉशरूम जाएं और कम से कम 20 सेकंड के लिए अपने हाथों और चेहरे को साबनु व पानी से धोने चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	16.05.2020	02	03-06

एचएयू के वीसी ने न्यूजीलैंड में गए वैज्ञानिकों व छात्रों का जाना हाल

हकृवि के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह विदेश में गए वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों से वार्तालाप करते हुए।

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 16 मई : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने परिवार के मुखिया के रूप में अमेरिका, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया में स्पार्क एवं आईडीपी परियोजनाओं के तहत गए वैज्ञानिकों व छात्र-छात्राओं का जूम मिटिंग एप के माध्यम से वीडियो कान्फ्रैंसिंग करके हाल-चाल जाना और उनके अच्छे स्वास्थ्य और अच्छे भविष्य की कामना कर सभी को शुभ आशीष प्रदान किया। साथ ही विदेश में गए हुए वैज्ञानिकों व छात्र-छात्राओं की अवधि पूरी होने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने उनको वहां पर उनकी जरूरत के अनुसार हर संभव सहायता मुहैया करवाने के लिए आश्वासन दिलाया और बताया कि यदि विद्यार्थियों को किसी प्रकार के दस्तावेज, रेफरेन्स लेटर, सर्टिफिकेटस इत्यादि की जरूरत पड़ती है तो संबंधित सहायता के लिए विश्वविद्यालय परिवार को सूचना दें और पूरा हकृवि परिवार उनके साथ खड़ा है। कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने सभी से आग्रह किया है कि सभी वहां के नियमानुसार कोविड-19 के संक्रमण से बचकर रहें : योगा करें, खुश रहे, स्वस्थ रहे। उनका सन्देश सम्प्रेषित होने के साथ सभी खुशी से गद्गद हो गए। उन्होने वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों को इस कोविड-19 से प्रभावित समय का सदुपयोग करने व विशेष तौर पर विदेशों के विश्वविद्यालयों के साथ बेहतर सम्पर्क बनाने, कृषि संबंधी आधुनिक शोध से जुड़ी सम्भावनाएं तलाशने की सलाह दी ताकि विश्वविद्यालय के शिक्षण व शोध कार्यक्रमों को मजबूती मिले व विद्यार्थी आपस में बेहतर तालमेल करके विश्वविद्यालय को दुनिया में एक विशेष पहचान दिला सकें। विश्वविद्यालय प्रशासन ने विदेश में रह रहें वैज्ञानिको और छात्र-छात्राओं के साथ एक व्हाटसएप ग्रुप बना रखा है जिसके माध्यम से उनकी दैनिक गतिविधि व उनकी कार्यशैली के बारे मे जानकारी लेते रहते है। इस व्हाटसएप ग्रुप में विद्यार्थियों द्वारा शेयर की गई वीडियों के माध्यम से पता चलता है कि हकृवि के विद्यार्थियों की दिनचर्या विदेश में रहकर भी कितनी विशेष है जिसमें भारतीय संस्कृति के अनुसार योगाभ्यास व प्राणायाम के अलावा समय-समय पर हवन इत्यादि भी करते है व सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसे नृत्य, गायन व काव्य पाठ करके अपने आपको तरोताजा रखते है। आइडीपी परियोजना के तहत मैसी यूनिवर्सिटी, न्यूजीलैंड में सुमे मलिक, कन्नोज, प्रतीक, साहिल, विनित कुमार, अमन मदान और सिडनी विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया में सनी मंजनू, हेमंत, भूषण, अंजलि राणा, आरजू व संध्या से चल रही परियोजनाओं व उनके तहत विद्यार्थियों के प्रशिक्षण की जानकारी ली। स्पार्क परियोजना के तहत मैसी यूनिवर्सिटी, न्यूजीलैंड में डॉ.अक्षय कुमार व डॉ. वीरेंद्र सिंह से कुशल क्षेम पूछा और उनको बच्चों से सम्पर्क बनाए रखते हुए उनकी देखभाल रखने के लिए सुझाया। वैज्ञानिको व विद्यार्थियों से बातचीत के दौरान यह भी बताया कि हम आपके लिए विदेशी आयोग और भारतीय उच्चायोग से लगातार सम्पर्क बनाए हुए है ताकि उनको समय अनुसार सूचनाएं मिलती रहें व एडवाइजरी के अनुरूप उनके वापस आने संबंधी सूचनाओं का आदान-प्रदान होता रहें। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के ओएसडी डॉ. एम.के. गर्ग, निदेशक अनुसंधान डॉ. एस.के. सहरावत, कुलसचिव डॉ. बी.आर. कम्बोज व अधिकारीगण उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (जीवन आधार)	16.05.2020	---	---

एचएयू ने 'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः' सूक्ति को सार्थक करते हुए कोविड-19 के संक्रमण से बचाव के लिए दिये सामाजिक सुझाव

SHARE 1

हिसार,
अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस पर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.केपी सिंह ने पूरे हकृवि परिवार को बधाई दी व सबसे शान्ति, सहयोग, धैर्य व साहस बरकरार रख कर जीवन के पथ पर निरंतर अग्रसर होने की प्रेरणा भी दी। उन्होंने बताया कि सभी वैज्ञानिकों का मुख्य कर्तव्य कृषक व कृषि की दशा व दिशा सुदृढ़ करने के लिए निरंतर प्रयत्न करते रहना है। कोविड-19 के संक्रमण की इस कठिन घड़ी में 'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु

ण की इस कठिन घड़ी में 'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः' सूक्ति को चरितार्थ करते हुए उन्होंने हर किसान, मजदूर व जरूरतमंद का सहयोग करने का आह्वान किया है।
विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग के बताया कि आजकल की लॉकडाउन की परिस्थितियों में जागरूक उपभोक्ता बन कर वैसे खरीदारी करनी चाहिए ताकि इस करोना वायरस से बचाव हो सके। अत्यावश्यक होने पर ही बाजार जाएं। हमेशा अपने घर से बाहर जाने पर एक ट्रिपल लेयर कपड़े का मास्क/सर्जिकल मास्क पहनें या फेस कवर का इस्तेमाल करें। बाजार में किसी भी व्यक्ति या दुकानदार से न्यूनतम 6 फीट की दूरी बनाएं। अपने घर के बाहर किसी भी चीज़ को अनावश्यक रूप से न छुएं। अपने साथ हैंड सैनिटाइजर (70 प्रतिशत अल्कोहल) वाला एक छोटा सा पर्स रखें और अपने हाथों को हमेशा साफ़ रखें। घर पर ले जाने के लिए बाजार से लाई जाने वाली सामग्री व अपने शरीर के मध्य निश्चित दूरी बनाकर रखें। बाजार से प्लास्टिक की टोकरी को सेनिटाइज करके ले जाना बेहतर होता है और सामग्री को टोकरी में डालकर अपने घर ले आएं।
बाजार में भुगतान के लिए गुगलपे/पेटीएम ऐप, भीम ऐप या अपनी बैंक ऐप का उपयोग करके डिजिटल भुगतान करने का प्रयास करें। कोशश करे कि किसी भी दुकानदार से कागजी मुद्रा का ज्यादा लेन-देन न हो क्योंकि यहां कोरोना संक्रमण हो सकता है, यदि किसी भी परिस्थिति में आप बाजार से कागजी मुद्रा लेते हैं तो अपने घर तक इसे अपने हाथ में रखें और इसी के प्रयोग
कागजी मुद्रा को कीटाणुरहित करें व ध्यान रहे कि दोनों तरफ
करेंगी को इसी करें।

प्रवेश करते समय दरवाजा खुद न खोले, अपितु खोलने के लिए घर के सदस्यों को कहें। वॉशरूम जाएं और कम से कम 20 सेकंड के लिए अपने हाथों और चेहरे को साबनु व पानी से धोएं, अपने कपडे डिटर्जेंट के घोल में भिगो कर धोएं और साबनु से नहाएं।
यदि कोई बाहरी व्यक्ति जैसे प्लंबर/इलेक्ट्रीशियन/मैकेनिक आपके घर पर आता है, तो सुनिश्चित करें कि उसे बखार तो नहीं है। आप उसे डिजिटल/ इंफ्रारेड थर्मामीटर से चैक कर सकते है। सबसे पहले उसे अपने हाथों को सैनिटाइजर या साबनु और पानी से साफ करने की अनुमति दें। अपने काम के अलावा उसे ओर कुछ छूने की अनुमति न दें। काम पुरा होने वाली जगह व उपकरण को साबनु के घोल के साथ अच्छी तरह साफ करें। कीटाणुशोधन 2 प्रतिशत डिटर्जेंट के घोल या 0.2 प्रतिशत फिनाइल के घोल या डेटॉल/सेवलॉन के 3 प्रतिशत घोल के साथ रोज़ सुबह घर के फर्श को साफ़ करें। 70 प्रतिशत अल्कोहल आधारित तरल सैनिटाइजर के साथ मुख्य दरवाज़े के हैंडल और डोरबेल को कीटाणरहित करें।
घर वापसी आने पर कपड़ों को कीटाणुरहित करने के लिए तुरंत डिटर्जेंट से धोएं और अच्छी तरह से धूप में सूखाने के बाद ही इस्तेमाल करें। अपना तौलिया और दैनिक उपयोग के कपड़े रोज़ धोएं। भारत सरकार व हरियाणा सरकार द्वारा समय- समय पर जारी दिशा-निर्देशों को अनुसरण किया जा रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (यूनिक हरियाणा)	16.05.2020	---	---

एचएयू ने 'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः' सूक्ति को सार्थक करते हुए कोविड-19 के संक्रमण से बचाव हेतु दिये सामाजिक सुझाव

May 16, 2020 • Rakesh • Hisar Local News

हिसार: 16 मई

अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस पर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रो.के.पी. सिंह ने पूरे हकृवि परिवार को बधाई दी व सबसे शान्ति, सहयोग, धैर्य व साहस बरकरार रख कर जीवन के पथ पर निरंतर अग्रसर होने की प्रेरणा भी दी। उन्होने बताया कि सभी वैज्ञानिकों का मुख्य कर्तव्य कृषक व कृषि की दशा व दिशा सुदृढ़ करने के लिए निरंतर प्रयत्न करते रहना है। कोविड-19 के संक्रमण की इस कठिन घड़ी में 'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः' सूक्ति को चरितार्थ करते हुए उन्होनें हर किसान, मजदूर व जरूरतमंद का सहयोग करने का आह्वान किया है।

विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग के बताया कि आजकल की लॉकडाउन की परिस्थितियों में जागरूक उपभोक्ता बन कर कैसे खरीदारी करनी चाहिए ताकि इस करोना वायरस से बचाव हो सके । अत्यावश्यक होने पर ही बाजार जाएं। हमेशा अपने घर से बाहर जाने पर एक ट्रिपल लेयर कपड़े का मास्क/सर्जिकल मास्क पहनें या फेस कवर का इस्तेमाल करें। बाजार में किसी भी व्यक्ति या दुकानदार से न्यूनतम 6 फीट की दूरी बनाएं। अपने घर के बाहर किसी भी चीज़ को अनावश्यक रूप से न छुएं। अपने साथ हैंड सैनिटाइजर (70 प्रतिशत अल्कोहल) वाला एक छोटा सा पकै रखें और अपने हाथों को हमेशा साफ़ रखें। घर पर ले जाने के लिए बाजार से लाई जाने वाली सामग्री व अपने शरीर के मध्य निश्चित दूरी बनाकर रखें। बाजार मे प्लास्टिक की टोकरी को सेनिटाइज करके ले जाना बेहतर होता है और सामग्री को टोकरी में डालकर अपने घर ले आएं।

बाजार में भुगतान के लिए गुगलपे/पेटीएम ऐप, भीम ऐप या अपनी बैंक ऐप का उपयोग करके डिजिटल भुगतान करने का प्रयास करें। कोशश करे कि किसी भी दुकानदार से कागजी मुद्रा का ज्यादा लेन-देन न हों क्योंकि यहां कोरोना संक्रमण हो सकता है, यदि किसी भी परिस्थिति में आप बाजार से कागजी मुद्रा लेते हैं तो अपने घर तक इसे अपने हाथ में रखें और इसी के प्रयोग से कागजी मुद्रा को कीटाणुरहित करें व ध्यान रहे कि दोनों तरफ से करेंसी को इसी करें।

घर में प्रवेश करते समय दरवाजा खुद न खोले, अपितु खोलने के लिए घर के सदस्यों को कहें। वॉशरूम जाएं और कम से कम 20 सेकंड के लिए अपने हाथों और चेहरे को साबनु व पानी से धोएं, अपने कपडे डिटर्जेंट के घोल में भिगो कर धोएं और साबनु से नहाएं।

यदि कोई बाहरी व्यक्ति जैसे प्लंबर / इलेक्ट्रीशियन / मैकेनिक आपके घर पर आता है, तो सुनिश्चित करें कि उसे बखार तो नहीं है। आप उसे डिजिटल/ इंफ्रारेड थर्मामीटर से चैक कर सकते है। सबसे पहले उसे अपने हाथों को सैनिटाइजर या साबनु और पानी से साफ करने की

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
Times of India	16.05.2020	02	01

VC contacts students

Hisar: Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University, Hisar, vice-chancellor K P Singh contacted 13 students and teachers who are in the US, New Zealand and Australia under the International Development Program and Scheme for Promotion of Academic and Research Collaboration on International Family Day on Friday.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार–पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	16.05.2020	04	01-06

अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस • संक्रमण से बचाव के लिए वहां के नियमों का पालन करने, योग करने और खुश रहने की सलाह

एचएयू के कुलपति ने विदेश गए विद्यार्थियों का जूम एप से जाना हाल

भास्कर न्यूज | हिसार

अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस पर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने परिवार के मुखिया के रूप में अमेरिका, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया में स्मार्क एवं आईडीपी परियोजनाओं के तहत गए वैज्ञानिकों व छात्र-छात्राओं का जूम मीटिंग एप के माध्यम से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग करके हाल-चाल जाना और उनके अच्छे स्वास्थ्य और अच्छे भविष्य की कामना की। साथ ही विदेश में गए हुए वैज्ञानिकों व छात्र-छात्राओं की अवधि पूरी होने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने उनको वहां पर उनकी जरूरत के अनुसार हर संभव सहायता मुहैया करवाने का आश्वासन दिलाया कुलपति प्रो. केपी सिंह ने सभी से आग्रह किया है कि सभी वहां के नियमानुसार कोविड-19 के संक्रमण से बचकर रहें, योगा करें, खुश रहें, स्वस्थ रहें। उनका सन्देश सम्प्रेषित होने के साथ सभी खुशी से गद्गद हो गए। उन्होंने वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों को कोविड-19 से प्रभावित समय का सदुपयोग करने व विशेष तौर पर विदेशों के विश्वविद्यालयों के साथ बेहतर सम्पर्क बनाने, कृषि संबंधी आधुनिक शोध से जुड़ी सम्भावनाएं तलाशने की सलाह दी ताकि विश्वविद्यालय के शिक्षण व शोध कार्यक्रमों को मजबूती मिले व विद्यार्थी आपस में बेहतर तालमेल करके विश्वविद्यालय को दुनिया में एक विशेष पहचान दिला सकें।

वीडियो कॉन्फ्रेंस से विदेश गए छात्रों और वैज्ञानिकों से बात करते एचएयू के पदाधिकारी।

वैज्ञानिकों का बनाया व्हाट्स एप ग्रुप

विश्वविद्यालय प्रशासन ने विदेश में रह रहे वैज्ञानिकों और छात्र-छात्राओं का व्हाटस एप ग्रुप बना रखा है, जिसके माध्यम से उनकी दैनिक गतिविधि व उनकी कार्यशैली के बारे में जानकारी लेते रहते हैं। इस व्हाट्सएप ग्रुप में विद्यार्थियों द्वारा शेयर की गई वीडियो के माध्यम से पता चलता है कि एचएयू के विद्यार्थियों की दिनचर्या विदेश में रहकर भी कितनी विशेष है। जिसमें भारतीय संस्कृति के अनुसार योगाभ्यास व प्राणायाम के अलावा समय-समय पर हवन इत्यादि भी करते हैं व सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसे नृत्य, गायन व काव्य पाठ करके अपने आपको तरोताजा रखते हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के ओएसडी डॉ. एमके गर्ग, निदेशक अनुसंधान डॉ. एसके सहरावत, कुलसचिव डॉ बीआर कम्बोज मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार–पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	16.05.2020	04	02-08

न्यूजीलैंड में फंसे एचएयू के वैज्ञानिकों व छह विद्यार्थियों को वतन वापसी का इंतजार

जागरण संवाददाता, हिसार: स्पार्क योजना के तहत रिसर्च करने न्यूजीलैंड गए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के दो वैज्ञानिक और छह विद्यार्थियों को वतन वापसी का इंतजार है। लॉकडाउन में रहते हुए करीब 50 दिन वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों ने अलग-थलग रहते हुए पार किए हैं। मगर अब जब भारत सरकार विदेशों में फंसे लोगों को वतन वापसी के लिए प्रयास कर रही है तो इन वैज्ञानिकों व छात्रों को भी सरकार से उम्मीद है कि जल्द ही वह भी वापस आ सकेंगे।

न्यूजीलैंड पर फ्लाइट शेड्यूल करने पर निर्णय विचाराधीन: वैज्ञानिकों की मानें तो मौजूदा समय में भारत सरकार ने हर देश के लिए फ्लाइट शेड्यूल की हैं, मगर अभी तक न्यूजीलैंड के लिए फ्लाइट शेड्यूल करने पर निर्णय विचाराधीन है। ऐसे में वैज्ञानिक व छात्र न्यूजीलैंड के वैलिंग्टन शहर में स्थित उच्चायोग से संपर्क साध रहे हैं। उच्चायोग की तरफ से जवाब मिला है कि सरकार मामले पर विचार कर रही है। न्यूजीलैंड ही नहीं बल्कि अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में भी एचएयू के वैज्ञानिक व छात्र हैं जो समय पूरा होते ही वापस आने की तैयारी में हैं। गौरतलब है कि इन वैज्ञानिकों को 6 अप्रैल तक अपने वतन भारत में वापस आ जाना चाहिए था, मगर पूर्व में भारत में ही लॉकडाउन होने के कारण इंटरनेशनल फ्लाइट बंद कर दी गईं। हालांकि न्यूजीलैंड के स्थानीय प्रशासन ने उनका वीजा 20 सितंबर तक बढ़ा दिया था।

50 दिन विज्ञानियों और छात्रों ने अलग रहकर गुजारे

06 अप्रैल को देश लौटना था लॉकडाउन में फंस गए

अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस पर हकृवि के कुलपति प्रो. केपी सिंह विदेश में गए वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों से वार्तालाप करते हुए। ● एचएयू

एचएयू के न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका गए वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों से ऑनलाइन बात करते कुलपति प्रो. केपी सिंह। ● एचएयू

ये है पूरा मामला: एचएयू के सीड साइंस टेक्नोलॉजी विभाग के वैज्ञानिक डा. अक्षय भुक्कर और डा. वीरेंद्र मोर न्यूजीलैंड की यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर मानव संसाधन मंत्रालय के प्रोजेक्ट स्पार्क के तहत रिसर्च कर रहे हैं। इसके लिए वह 14 मार्च को दिल्ली से न्यूजीलैंड को रवाना हुए थे। तो इसी विभाग के छह विद्यार्थी समय मलिक, कनौज, साहिल, प्रतीक, अमन व विनीत आइडीपी प्रोग्राम के तहत रिसर्च करने न्यूजीलैंड 13 मार्च को रवाना हुए। वैज्ञानिक और छात्र 15 मार्च को न्यूजीलैंड में एक साथ मिले। इसके बाद वह अपने-अपने काम में जुट गए। छात्र शहर में रह रहे हैं और वैज्ञानिक इस समय यूनिवर्सिटी कैंपस के पास रुके हैं।

ऑनलाइन वीडियो कांफ्रेंसिंग से एचएयू प्रशासन ने जाना हाल

एचएयू प्रशासन भी लगातार वैज्ञानिकों के संपर्क में है। शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस पर कुलपति प्रो. केपी सिंह ने परिवार के मुखिया के रूप में अमेरिका, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया में स्पार्क एवं आइडीपी परियोजनाओं के तहत गए वैज्ञानिकों व छात्र-छात्राओं से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बात भी की। इसके साथ ही आश्वासन दिया है कि विदेश में अवधि पूरी कर चुके वैज्ञानिक व छात्र-छात्राओं के साथ विश्वविद्यालय प्रशासन खड़ा है। उनकी हर संभव मदद की जा रही है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	16.05.2020	02	04-05

एचएयू ने विदेश में फंसे वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों का जाना हाल

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस के अवसर पर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने अमेरिका, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया में विभिन्न परियोजनाओं के तहत गए वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों का जूम एप के माध्यम से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर हालचाल जाना। इस दौरान उन्होंने अवधि पूरी होने के बाद विवि प्रशासन ने उन्हें वहां पर उनकी जरूरत के अनुसार हर संभव सहायता मुहैया करवाने के लिए आश्वासन दिलाया। साथ ही कहा कि यदि विद्यार्थियों को किसी प्रकार के दस्तावेज, रेफरेंस लेटर, सर्टिफिकेट आदि की जरूरत पड़ती है तो विवि प्रशासन को सूचना दें।

बता दें कि विवि प्रशासन ने विदेश में रह रहे वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों के साथ एक व्हाट्सएप ग्रुप बना रखा है, जिसके माध्यम से उनकी दैनिक गतिविधि व उनकी कार्यशैली के बारे मे जानकारी लेते रहते हैं।

इनसे की बातचीत

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान विवि प्रशासन ने आईडीपी परियोजना के तहत मैसी यूनिवर्सिटी, न्यूजीलैंड में सुमे मलिक, कन्नौज, प्रतीक, साहिल, विनीत कुमार, अमन मदान और सिडनी विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया में सनी, हेमंत, भूषण, अंजलि राणा, आरजू व संध्या से चल रही परियोजनाओं व उनके तहत विद्यार्थियों के प्रशिक्षण की जानकारी ली। स्पार्क परियोजना के तहत मैसी यूनिवर्सिटी, न्यूजीलैंड में डॉ. अक्षय कुमार व डॉ. वीरेंद्र सिंह से कुशलक्षेम पूछा। इस अवसर पर विवि के ओएसडी डॉ. एमके गर्ग, निदेशक अनुसंधान डॉ. एसके सहरावत, कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज आदि मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस पर विदेश में गए वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों से वार्तालाप करते हकृवि के कुलपति प्रो. केपी सिंह। - संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	16.05.2020	09	03-08

आईडीपी परियोजनाओं के तहत गए वैज्ञानिकों व विद्यार्थियो के बीच हुई वीसी

विदेश में गए वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों का जाना हालचाल

आग्रह

- विवि ने उनकी जरूरत के अनुसार हर संभव सहायता मुहैया करवाने के लिए कहा, आग्रह किया है कि वे वहां के नियमानुसार कोविड-19 के संक्रमण से बचकर रहें

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस के अवसर पर शुक्रवार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने परिवार के मुखिया के रूप में अमेरिका, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया में स्पार्क एवं आईडीपी परियोजनाओं के तहत गए वैज्ञानिकों व छात्र-छात्राओं का जूम मीटिंग एप के माध्यम से वीसी करके हाल-चाल जाना और उनके अच्छे स्वास्थ्य और अच्छे भविष्य की कामना की। साथ ही विदेश में गए हुए वैज्ञानिकों व छात्र-छात्राओं की अवधि पूरी होने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने उनको वहां पर उनकी जरूरत के अनुसार हर संभव सहायता मुहैया करवाने के लिए आश्वासन दिलाया और बताया कि यदि विद्यार्थियों को किसी प्रकार के दस्तावेज, रेफरेंस लेटर, सर्टिफिकेटस आदि की जरूरत पड़ती है तो संबंधित सहायता के लिए विश्वविद्यालय को सूचना दें और पूरा हकृवि परिवार उनके साथ खड़ा है। प्रो. सिंह कुलपति प्रो. केपी सिंह ने सभी से आग्रह किया है कि सभी वहां

के नियमानुसार कोविड-19 के संक्रमण से बचकर रहें और योगा करें, खुश रहे, स्वस्थ रहे। उन्होंने वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों को इस कोविड-19 से प्रभावित समय का सदुपयोग करने व विशेष तौर पर विदेशों के विश्वविद्यालयों के साथ बेहतर संपर्क बनाने, कृषि संबंधी आधुनिक शोध से जुड़ी संभावनाएं तलाशने की सलाह दी ताकि विश्वविद्यालय के शिक्षण व शोध कार्यक्रमों को मजबूती मिले व विद्यार्थी आपस में तालमेल करके विवि को दुनिया में एक विशेष पहचान दिला सकें।

प्रशासन ने बनाया व्हाट्सएप ग्रुप

विश्वविद्यालय प्रशासन ने विदेश में रह रहें वैज्ञानिकों और छात्र-छात्राओं के साथ एक व्हाट्सएप ग्रुप बना रखा है जिसके माध्यम से उनकी दैनिक गतिविधि व उनकी कार्यशैली के बारे मे जानकारी लेते रहते है। इस व्हाट्सएप ग्रुप में विद्यार्थियों द्वारा शेयर की गई वीडियों के माध्यम से पता चलता है कि हकृवि के विद्यार्थियों की दिनचर्या विदेश में रहकर भी कितनी विशेष है जिसमें योगाभ्यास व प्राणायाम के अलावा समय-समय पर हवन इत्यादि भी करते है व सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसे नृत्य, गायन व काव्य पाठ करके अपने आपको तरोताजा रखते है।

इन विद्यार्थियों से लिया अपडेट

आइडीपी परियोजना के तहत मैसी यूनिवर्सिटी, न्यूजीलैंड में सुमे मलिक, कन्नोज, प्रतीक, साहिल, विनित, अमन मदान और सिडनी विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया में सनी, हेमंत, भूषण, अंजलि राणा, आरजू व संध्या से चल रही परियोजनाओं व उनके तहत विद्यार्थियों के प्रशिक्षण की जानकारी ली। स्पार्क परियोजना के तहत मैसी यूनिवर्सिटी, न्यूजीलैंड में डॉ.अक्षय कुमार व डॉ. वीरेंद्र सिंह से कुशल क्षेम पूछा और उनको बच्चों से संपर्क बनाए रखते हुए देखभाल रखने के लिए सुझाया। इस मौके पर डॉ. एमके गर्ग, डॉ. एसके सहरावत, कुलसचिव डॉ. बीआर कम्बोज थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	16.05.2020	02	01-04

अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस पर

हकृवि कुलपति ने विदेश में गए वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों का हाल जाना

अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस पर हकृवि के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह विदेश में गए वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों से वार्तालाप करते हुए।

हिसार, 15 मई (ब्यूरो): अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस के अवसर पर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने परिवार के मुखिया के रूप में अमेरिका, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया में स्पार्क एवं आई.डी.पी. परियोजनाओं के तहत गए वैज्ञानिकों व छात्र-छात्राओं का जूम मिटिंग एप के माध्यम से वीडियो कान्फ्रैंसिंग करके हाल-चाल जाना और उनके अच्छे स्वास्थ्य और अच्छे भविष्य की कामना कर सभी को शुभ आशीष प्रदान किया। साथ ही विदेश में गए हुए वैज्ञानिकों व छात्र-छात्राओं की अवधि पूरी होने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने उनको वहां पर उनकी जरूरत के अनुसार हर संभव सहायता मुहैया करवाने के लिए आश्वासन दिलाया और बताया कि यदि विद्यार्थियों को किसी प्रकार के दस्तावेज, रेफरेन्स लेटर, सर्टिफिकेटस इत्यादि की जरूरत पड़ती है तो संबंधित सहायता के लिए विश्वविद्यालय परिवार को सूचना दें और पूरा हकृवि परिवार उनके साथ खड़ा है।

कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने सभी से आग्रह किया है कि सभी वहां के नियमानुसार कोविड-19 के संक्रमण से बचकर रहें। उन्होंने वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों को इस कोविड-19 से प्रभावित समय का सदुपयोग करने व विशेष तौर पर विदेशों के विश्वविद्यालयों के साथ बेहतर सम्पर्क बनाने, कृषि संबंधी आधुनिक शोध से जुड़ी सम्भावनाएं तलाशने की सलाह दी। ज्ञात रहे कि विश्वविद्यालय प्रशासन विदेश में रह रहे वैज्ञानिको और छात्र-छात्राओं के साथ एक व्हाटसएप ग्रुप बना रखा है जिसके माध्यम से उनकी दैनिक गतिविधि व उनकी कार्यशैली के बारे मे जानकारी लेते रहते है। आई.डी.पी. परियोजना के तहत मैसी यूनिवर्सिटी, न्यूजीलैंड में सुमे मलिक, कन्नोज, प्रतीक, साहिल, विनित कुमार, अमन मदान और सिडनी विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया में सनी मंजनू, हेमंत, भूषण, अंजलि राणा, आरजू व संध्या से चल रही परियोजनाओं व उनके तहत विद्यार्थियों के प्रशिक्षण की जानकारी ली। स्पार्क परियोजना के तहत मैसी यूनिवर्सिटी, न्यूजीलैंड में डा. अक्षय कुमार व डा. वीरेंद्र सिंह से कुशलक्षेम पूछा और उनको बगों से सम्पर्क बनाए रखते हुए उनकी देखभाल रखने के लिए सुझाया। वैज्ञानिको व विद्यार्थियों से बातचीत के दौरान यह भी बताया कि हम आपके लिए विदेशी आयोग और भारतीय उगाायोग से लगातार सम्पर्क बनाए हुए है ताकि उनको समय अनुसार सूचनाएं मिलती रहें व एडवाइजरी के अनुरूप उनके वापस आने संबंधी सूचनाओं का आदान-प्रदान होता रहें। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के ओ.एस.डी. डा. एम.के. गर्ग, निदेशक अनुसंधान डा. एस.के. सहरावत, कुलसचिव डा. बी.आर. कम्बोज व अधिकारीगण उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार–पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	15.05.2020	03	01-03

अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस पर कुलपति केपी सिंह ने विदेश में गए वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों का जाना हाल

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। आज अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस के अवसर पर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने परिवार के मुखिया के रूप में अमेरिका, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया में स्पार्क एवं आईडीपी परियोजनाओं के तहत गए वैज्ञानिकों व छात्र-छात्राओं का जूम मिटिंग एप के माध्यम से वीडियो कान्फ्रैंसिंग करके हाल-चाल जाना और उनके अच्छे स्वास्थ्य और अच्छे भविष्य की कामना कर सभी को शुभ आशीष प्रदान किया। साथ ही विदेश में गए हुए वैज्ञानिकों व छात्र-छात्राओं की अवधि पूरी होने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने उनको वहां पर उनकी जरूरत के अनुसार हर संभव सहायता मुहैया करवाने के लिए आश्वासन दिलाया। उन्होंने बताया कि यदि विद्यार्थियों को किसी प्रकार के दस्तावेज, रेफरेन्स लेटर, सर्टिफिकेट्स इत्यादि की जरूरत पड़ती है तो संबंधित सहायता के लिए विश्वविद्यालय परिवार को सूचना दें और पूरा हकृवि परिवार उनके साथ खड़ा है।

हिसार। हकृवि के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह विदेश में गए वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों से वार्तालाप करते हुए।

कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने सभी से आग्रह किया है कि सभी वहां के नियमानुसार कोविड-19 के संक्रमण से बचकर रहें, योगा करें, खुश रहे, स्वस्थ रहे। उन्होंने वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों को इस कोविड-19 से प्रभावित समय का सदुपयोग करने व विशेष तौर पर विदेशों के विश्वविद्यालयों के साथ बेहतर सम्पर्क बनाने, कृषि संबंधी आधुनिक शोध से जुड़ी सम्भावनाएं तलाशने की सलाह दी ताकि विश्वविद्यालय के शिक्षण व शोध कार्यक्रमों को मजबूती मिले व विद्यार्थी आपस में बेहतर तालमेल करके विश्वविद्यालय को दुनिया में एक विशेष पहचान दिला सकें।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने विदेश में रह रहें वैज्ञानिकों और छात्र-छात्राओं के साथ एक व्हाटसएप ग्रुप बना रखा है जिसके माध्यम से उनकी दैनिक गतिविधि व उनकी कार्यशैली के बारे में जानकारी लेते रहते है।

आइडीपी परियोजना के तहत मैसी यूनिवर्सिटी, न्यूजीलैंड में सुमेे मलिक, कत्रोज, प्रतीक, साहिल, विनित कुमार, अमन मदान और सिडनी विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया में सनी मंजनू, हेमंत, भूषण, अंजलि राणा, आरजू व संध्या से चल रही परियोजनाओं व उनके तहत विद्यार्थियों के प्रशिक्षण की जानकारी ली। स्पार्क परियोजना के तहत मैसी यूनिवर्सिटी, न्यूजीलैंड में डॉ. अक्षय कुमार व डॉ. वीरेंद्र सिंह से कुशल क्षेम पूछा और उनको बच्चों से सम्पर्क बनाए रखते हुए उनकी देखभाल रखने के लिए सुझाया। वैज्ञानिको व विद्यार्थियों से बातचीत के दौरान यह भी बताया कि हम आपके लिए विदेशी आयोग और भारतीय उच्चायोग से लगातार सम्पर्क बनाए हुए है ताकि उनको समय अनुसार सूचनाएं मिलती रहें व एडवाइजरी के अनुरूप उनके वापस आने संबंधी सूचनाओं का आदान-प्रदान होता रहें। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के ओएसडी डॉ. एम.के. गर्ग, निदेशक अनुसंधान डॉ. एस.के. सहरावत, कुलसचिव डॉ. बी.आर. काम्बोज व अधिकारीगण उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार–पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नित्य शक्ति टाईम्स	15.05.2020	03	02-06

वीसी ने विदेश गए वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों का जाना हालचाल

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने की अच्छे स्वास्थ्य और उज्जवल भविष्य की कामना

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

हिसार। अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस के अवसर पर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने परिवार के मुखिया के रूप में अमेरिका, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया में स्मार्क एवं आईडीपी परियोजनाओं के तहत गए वैज्ञानिकों व छात्र-छात्राओं का जूम मिटिंग एप के माध्यम से वीडियो कान्फ्रेंसिंग करके हाल-चाल जाना और उनके अच्छे स्वास्थ्य और अच्छे भविष्य की कामना की। साथ ही विदेश में गए हुए वैज्ञानिकों व छात्र-छात्राओं की अवधि पूरी होने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने उनको वहां पर उनकी जरूरत के अनुसार हर संभव सहायता मुहैया करवाने के लिए आश्वासन दिलाया। कुलपति प्रो. सिंह ने सभी से आग्रह किया है कि सभी वहां के नियमानुसार कोविड-19 के संक्रमण से बचकर रहें। योगा करें, खुश रहे, स्वस्थ रहे। उन्होंने वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों को कोविड-19 से प्रभावित समय का सदुपयोग करने व विशेष तौर पर विदेशों के विश्वविद्यालयों के साथ बेहतर सम्पर्क बनाने, कृषि संबंधी आधुनिक शोध से जुड़ी सम्भावनाएं तलाशने की सलाह दी ताकि विश्वविद्यालय के शिक्षण व शोध कार्यक्रमों को मजबूती मिले व विद्यार्थी आपस में बेहतर तालमेल करके विश्वविद्यालय को दुनिया में एक विशेष पहचान दिला सकें। विश्वविद्यालय प्रशासन ने विदेश में रह रहें वैज्ञानिको और छात्र-छात्राओं के साथ एक व्हाटसएप ग्रुप बना रखा है जिसके माध्यम से उनकी दैनिक गतिविधि व उनकी कार्यशैली के बारे मे जानकारी लेते रहते है। इस व्हाटसएप ग्रुप में विद्यार्थियों द्वारा शेयर की गई वीडियों के माध्यम से पता चलता है कि हकृवि के विद्यार्थियों की दिनचर्या विदेश में रहकर भी कितनी विशेष है जिसमें भारतीय संस्कृति के अनुसार योगाभ्यास व प्राणायाम के अलावा समय-समय पर हवन इत्यादि भी करते है व सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसे नृत्य, गायन व काव्य पाठ करके अपने आपको तरोताजा रखते है। आइडीपी परियोजना के तहत मैसी यूनिवर्सिटी, न्यूजीलैंड में सुमे मलिक, कम्बोज, प्रतीक, साहिल, विनित कुमार, अमन मदान और सिडनी विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया में सनी मंजू, हेमंत, भूषण, अंजलि राणा, आरजू व संध्या से चल रही परियोजनाओं व उनके तहत विद्यार्थियों के प्रशिक्षण की जानकारी ली। स्मार्क परियोजना के तहत मैसी यूनिवर्सिटी, न्यूजीलैंड में डॉ. अक्षय कुमार व डॉ. वीरेंद्र सिंह से कुशल क्षेम पूछा और उनको बच्चों से सम्पर्क बनाए रखते हुए उनकी देखभाल रखने के लिए सुझाया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के ओएसडी डॉ. एम.के. गर्ग, निदेशक अनुसंधान डॉ. एस.के. सहरावत, कुलसचिव डॉ. बी.आर. कम्बोज व अधिकारीगण उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	15.05.2020	02	03-05

कुलपति ने जाना विदेश गए वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों का हाल

हिसार/15 मई/रिपोर्टर

आज अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस के अवसर पर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने परिवार के मुखिया के रूप में अमेरिका, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया में स्पार्क एवं आईडीपी परियोजनाओं के तहत गए वैज्ञानिकों व छात्र-छात्राओं का जूम मीटिंग एप के माध्यम से वीडियो कॉन्फ्रैंसिंग करके हाल-चाल जाना और उनके अच्छे स्वास्थ्य और अच्छे भविष्य की कामना कर सभी को शुभ आशीष प्रदान किया। साथ ही विदेश में गए हुए वैज्ञानिकों व छात्र-छात्राओं की अवधि पूरी होने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने उनको वहां पर उनकी जरूरत के अनुसार हर संभव सहायता मुहैया करवाने के लिए आश्वासन दिया और बताया कि यदि विद्यार्थियों को किसी प्रकार के दस्तावेज, रेफरेन्स लेटर, सर्टिफिकेट्स इत्यादि की जरूरत पड़ती है तो संबंधित सहायता के लिए विश्वविद्यालय परिवार को सूचना दें और पूरा हकृवि परिवार उनके साथ खड़ा है। कुलपति सिंह ने सभी से आग्रह किया है कि सभी वहां के नियमानुसार कोविड-19 के संक्रमण से बचकर रहें, योगा करें, खुश रहें, स्वस्थ रहें। उन्होंने वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों को इस कोविड-19 से प्रभावित समय का सदुपयोग करने व विशेष तौर पर विदेशों के विश्वविद्यालयों के साथ बेहतर सम्पर्क बनाने, कृषि संबंधी आधुनिक शोध से जुड़ी सम्भावनाएं तलाशने की सलाह दी ताकि विश्वविद्यालय के शिक्षण व शोध कार्यक्रमों को मजबूती मिले व विद्यार्थी आपस में बेहतर तालमेल करके विश्वविद्यालय को दुनिया में एक विशेष पहचान दिला सकें। विश्वविद्यालय प्रशासन ने विदेश में रह रहे वैज्ञानिकों और छात्र-छात्राओं के साथ एक व्हाट्सएप ग्रुप बना रखा है जिसके माध्यम से उनकी दैनिक गतिविधि व उनकी कार्यशैली के बारे मे जानकारी लेते रहते हैं। इस व्हाटसएप ग्रुप में विद्यार्थियों द्वारा शेयर की गई वीडियो के माध्यम से पता चलता है कि हकृवि के विद्यार्थियों की दिनचर्या विदेश में रहकर भी कितनी विशेष है जिसमें भारतीय संस्कृति के अनुसार योगाभ्यास व प्राणायाम के अलावा समय-समय पर हवन इत्यादि भी करते हैं व सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसे नृत्य, गायन व काव्य पाठ करके अपने आपको तरोताजा रखते हैं। आइडीपी परियोजना के तहत मैसी यूनिवर्सिटी, न्यूजीलैंड में सुमे मलिक, कन्नोज, प्रतीक, साहिल, विनित कुमार, अमन मदान और सिडनी विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया में सनी मंजनू, हेमंत, भूषण, अंजलि राणा, आरजू व संध्या से चल रही परियोजनाओं व उनके तहत विद्यार्थियों के प्रशिक्षण की जानकारी ली। स्पार्क परियोजना के तहत मैसी यूनिवर्सिटी, न्यूजीलैंड में डॉ. अक्षय कुमार व डॉ. वीरेंद्र सिंह से कुशल क्षेम पूछा और उनको बच्चों से सम्पर्क बनाए रखते हुए उनकी देखभाल रखने के लिए सुझाया। वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों से बातचीत के दौरान यह भी बताया कि हम आपके लिए विदेशी आयोग और भारतीय उच्चायोग से लगातार सम्पर्क बनाए हुए हैं ताकि उनको समय अनुसार सूचनाएं मिलती रहें व एडवाइजरी के अनुरूप उनके वापस आने संबंधी सूचनाओं का आदान-प्रदान होता रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (जीवन आधार)	15.05.2020	---	---

हिसार

अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस पर हकृवि परिवार के मुखिया ने विदेश में गए वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों का हाल जाना

SHARE 1

8:29

जीवन आधार
सार्थक विचार - विस्तृत समाचार

हिसार,
आज अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस के अवसर पर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने परिवार के मुखिया के रूप में अमेरिका, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया में स्पार्क एवं आईडीपी परियोजनाओं के तहत गए वैज्ञानिकों व छात्र-छात्राओं का जूम मिटिंग एप के माध्यम से वीडियो कान्फ्रैसिंग करके हाल-चाल जाना और उनके अच्छे स्वास्थ्य और अच्छे भविष्य की कामना कर सभी को शुभ आशीष प्रदान किया। साथ ही विदेश में गए हुए वैज्ञानिकों व छात्र-छात्राओं की अवधि पूरी होने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने उनको वहां पर उनकी जरूरत के अनुसार हर संभव सहायता मुहैया करवाने के लिए आश्वासन दिलाया और बताया कि यदि विद्यार्थियों को किसी प्रकार के दस्तावेज, रेफरेन्स लेटर, सर्टिफिकेटस इत्यादि की जरूरत पड़ती है तो संबंधित सहायता के लिए विश्वविद्यालय परिवार को सूचना दें और पूरा हकृवि परिवार उनके साथ खड़ा है।

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने सभी से आग्रह किया है कि सभी वहां के नियमानुसार कोविड-19 के संक्रमण से बचकर रहें : योगा करें, खुश रहे, स्वस्थ रहे। उनका सन्देश सम्प्रेषित होने के साथ सभी खुशी से गद्गद हो गए। उन्होने वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों को इस कोविड-19 से प्रभावित समय का सदुपयोग करने व विशेष तौर पर विदेशों के विश्वविद्यालयों के साथ बेहतर सम्पर्क बनाने, कृषि संबंधी आधुनिक शोध से जुड़ी सम्भावनाएं तलाशने की सलाह दी [illegible] विश्वविद्यालय के शिक्षण व शोध कार्यक्रमों को मजबूती [illegible] ओं के साथ एक व्हाटसएप ग्रुप बना रखा है जिसके माध्यम से उनकी दैनिक गतिविधि व उनकी कार्यशैली के बारे मे जानकारी लेते रहते है। इस व्हाटसएप ग्रुप में विद्यार्थियों द्वारा शेयर की गई वीडियों के माध्यम से पता चलता है कि हकृवि के विद्यार्थियों की दिनचर्या विदेश में रहकर भी कितनी विशेष है जिसमें भारतीय संस्कृति के अनुसार योगाभ्यास व प्राणायाम के अलावा समय-समय पर हवन इत्यादि भी करते है व सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसे नृत्य, गायन व काव्य पाठ करके अपने आपको तरोताजा रखते है।

आइडीपी परियोजना के तहत मैसी यूनिवर्सिटी, न्यूजीलैंड में सुमे मलिक, कन्नोज, प्रतीक, साहिल, विनित कुमार, अमन मदान और सिडनी विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया में सनी मंजनू, हेमंत, भूषण, अंजलि राणा, आरजू व संध्या से चल रही परियोजनाओं व उनके तहत विद्यार्थियों के प्रशिक्षण की जानकारी ली। स्पार्क परियोजना के तहत मैसी यूनिवर्सिटी, न्यूजीलैंड में डॉ.अक्षय कुमार व डॉ. वीरेंद्र सिंह से कुशल क्षेम पूछा और उनको बच्चों से सम्पर्क बनाए रखते हुए उनकी देखभाल रखने के लिए सुझाया। वैज्ञानिको व विद्यार्थियों से बातचीत के दौरान यह भी बताया कि हम आपके लिए विदेशी आयोग और भारतीय उच्चायोग से लगातार सम्पर्क बनाए हुए है ताकि उनको समय अनुसार सूचनाएं मिलती रहें व एडवाइजरी के अनुरूप उनके वापस आने संबंधी सूचनाओं का आदान-प्रदान होता रहें। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के ओएसडी डॉ. एम.के. गर्ग, निदेशक अनुसंधान डॉ. एस.के. सहरावत, कुलसचिव डॉ. बी.आर. कम्बोज व अधिकारीगण उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (यूनिक हरियाणा)	15.05.2020	---	---

अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस पर हकृवि परिवार के मुखिया ने विदेश में गए वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों का हाल जाना

May 15, 2020 • Rakesh • Hisar Local News

हिसार: 15 मई

आज अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस के अवसर पर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने परिवार के मुखिया के रूप में अमेरिका, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया में स्पार्क एवं आईडीपी परियोजनाओं के तहत गए वैज्ञानिकों व छात्र-छात्राओं का जूम मिटिंग एप के माध्यम से वीडियो कान्फ्रेंसिंग करके हाल-चाल जाना और उनके अच्छे स्वास्थ्य और अच्छे भविष्य की कामना कर सभी को शुभ आशीष प्रदान किया। साथ ही विदेश में गए हुए वैज्ञानिकों व छात्र-छात्राओं की अवधि पूरी होने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने उनको वहां पर उनकी जरूरत के अनुसार हर संभव सहायता मुहैया करवाने के लिए आश्वासन दिलाया और बताया कि यदि विद्यार्थियों को किसी प्रकार के दस्तावेज, रेफरेन्स लेटर, सर्टिफिकेटस इत्यादि की जरूरत पड़ती है तो संबंधित सहायता के लिए विश्वविद्यालय परिवार को सूचना दें और पूरा हकृवि परिवार उनके साथ खड़ा है।

कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने सभा से आग्रह किया है कि सभी वहां के नियमानुसार कोविड-19 के संक्रमण से बचकर रहें : योगा करें, खुश रहे, स्वस्थ रहे। उनका सन्देश सम्प्रेषित होने के साथ सभी खुशी से गद्गद हो गए। उन्होने वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों को इस कोविड-19 से प्रभावित समय का सदुपयोग करने व विशेष तौर पर विदेशों के विश्वविद्यालयों के साथ बेहतर सम्पर्क बनाने, कृषि संबंधी आधुनिक शोध से जुड़ी सम्भावनाएं तलाशने की सलाह दी ताकि विश्वविद्यालय के शिक्षण व शोध कार्यक्रमों को मजबूती मिले व विद्यार्थी आपस में बेहतर तालमेल करके विश्वविद्यालय को दुनिया में एक विशेष पहचान दिला सकें।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने विदेश में रह रहें वैज्ञानिको और छात्र-छात्राओं के साथ एक व्हाटसएप ग्रुप बना रखा है जिसके माध्यम से उनकी दैनिक गतिविधि व उनकी कार्यशैली के बारे मे जानकारी लेते रहते है। इस व्हाटसएप ग्रुप में विद्यार्थियों द्वारा शेयर की गई वीडियों के माध्यम से पता चलता है कि हकृवि के विद्यार्थियों की दिनचर्या विदेश में रहकर भी कितनी विशेष है जिसमें भारतीय संस्कृति के अनुसार योगाभ्यास व प्राणायाम के अलावा समय-समय पर हवन इत्यादि भी करते है व सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसे नृत्य, गायन व काव्य पाठ करके अपने आपको तरोताजा रखते है।

आइडीपी परियोजना के तहत मैसी यूनिवर्सिटी, न्यूजीलैंड में सुमे मलिक, कन्नोज, प्रतीक, साहिल, विनित कुमार, अमन मदान और सिडनी विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया में सनी मंजनू, हेमंत, भूषण, अंजलि राणा, आरजू व संध्या से चल रही परियोजनाओं व उनके तहत विद्यार्थियों के प्रशिक्षण की जानकारी ली। स्पार्क परियोजना के तहत मैसी यूनिवर्सिटी, न्यूजीलैंड में डॉ.अक्षय कुमार व डॉ. वीरेंद्र सिंह से कुशल क्षेम पूछा और उनको बच्चों से सम्पर्क बनाए रखते हुए उनकी देखभाल रखने के लिए सुझाया। वैज्ञानिको व विद्यार्थियों से बातचीत के दौरान यह भी बताया कि हम आपके लिए विदेशी आयोग और भारतीय उच्चायोग से लगातार सम्पर्क बनाए हुए है ताकि उनको समय अनुसार सूचनाएं मिलती रहें व एडवाइजरी के अनुरूप उनके वापस आने संबंधी सूचनाओं का आदान-प्रदान होता रहें। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के ओएसडी डॉ. एम.के. गर्ग, निदेशक अनुसंधान डॉ. एस.के. सहरावत, कुलसचिव डॉ. बी.आर. कम्बोज व अधिकारीगण